न्यूज़ टुडे

चीनी वैज्ञानिकों ने एशियाई चावल का पहला पैन्जीनोम बनाया

इसके लिए वैज्ञानिकों ने **'पैकबायो हाई-फिडेलिटी' (HiFi) सिक्वेंसिंग तकनीक** का उपयोग किया है। इसे **एशिया में पाए जाने वाली चावल की 144 जंगली और खेती की गई किस्मों के जीनोम के प्रमुख हिस्सों को एक साथ जोड़कर** विकसित किया है।

- इससे वैज्ञानिकों की इस परिकल्पना को भी मजबूती मिली कि सभी **एशियाई खेती वाले चावल** की उत्पत्ति **ओर-IIIa** नामक एक जंगली किस्म से हुई है।
- चावल की एक जंगली प्रजाति **ओरिजा रूफिपोगोन, एशियाई खेती वाले चावल (ओराइजा सैटिवा एल.)** की पूर्वज है।
    - **ओर-IIIa** ओरिजा रुफिपोगोन का एक प्रकार है।

पैन्जीनोम क्या है?

- यह **एक ही प्रजाति** के कई जीवों के **जीनोम अनुक्रमों** (Genome sequences) का संग्रह है।
    - जीनोम किसी जीव में **आनुवंशिक जानकारी का पूरा सेट** होता है।
- यह एक प्रकार का **रेफरेंस जीनोम** है।
    - पैन्जीनोम में **सामान्य जीन** होते हैं तथा यह **अलग-अलग प्रजातियों में पाए जाने वाले विशिष्ट जीन का मानचित्रण** भी करता है। इसके विपरीत, **रेफरेंस जीनोम** आमतौर पर केवल उन **विशिष्ट जीन की पहचान तक ही सीमित रहते हैं, जो किसी प्रजाति का निर्माण** करते हैं।

हाई-फिडेलिटी' (HiFi) सिक्वेंसिंग तकनीक

- यह **एकल-अणु, रियल-टाइम अनुक्रमण तकनीक** (SMRT) है, जो दीर्घ पठन (Read) में अविश्वसनीय **एकल-अणु पठन सटीकता** प्रदान करती है।
- यह **जीनोम अनुक्रमण** की एक तरह की **दीर्घ पठन अनुक्रमण** विधि है।
    - **दीर्घ पठन अनुक्रमण, एक डी.एन.ए. (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड)** सिक्वेंसिंग अप्रोच है। यह अप्रोच **पारंपरिक लघु पठन अनुक्रमण विधि** की तुलना में बहुत लंबे **डी.एन.ए. खंडों** के अनुक्रमण को सक्षम बनाती है।

पैन्जीनोम के प्रमुख अनुप्रयोग

- **कृषि:** फसलों में **रोग-सहिष्णुता** के साथ-साथ **जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सहनशीलता** के नए गुणों को शामिल करने में मदद करता है।
    - बेहतर और अधिक उत्पादन देने वाली खाद्यान्न किस्मों के विकास के लिए उपयोगी वन्य संसाधन प्रदान करता है।
- **सटीक चिकित्सा:** मनुष्यों में, रोगों के लिए जनसंख्या-विशिष्ट आनुवंशिक मार्करों की पहचान करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए- **ह्यूमन पैन्जीनोम प्रोजेक्ट।**

BRS कन्वेंशंस के लिए पक्षकारों का सम्मेलन (CoP) जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में संपन्न हुआ

हाल ही में **बेसल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम कन्वेंशंस (BRS COPs)** के लिए पक्षकारों का सम्मेलन (CoPs) जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में संपन्न हुआ।

- इस वर्ष के सम्मेलन की थीम थी **"अदृश्य को दृश्य बनाएं: रसायनों और अपशिष्टों का अच्छा प्रबंधन"**।

BRS CoPs के बारे में

- BRS CoPs **हर दो साल में आयोजित** किया जाता है। इसका उद्देश्य **खतरनाक रसायनों और अपशिष्ट प्रबंधन पर वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाना** है।
- भारत इन **तीनों सम्मेलनों** का एक पक्षकार है।

कन्वेंशंस के बारे में

- **बेसल कन्वेंशन:** यह **खतरनाक अपशिष्ट की सीमा-पार आवाजाही और उनके निपटान पर नियंत्रण** से संबंधित है।
    - इसे **1989 में स्विट्जरलैंड** में अपनाया गया था। यह **1992 में लागू** हुआ था।
    - इसका उद्देश्य **खतरनाक अपशिष्ट की उत्पत्ति को कम करना और पर्यावरण की दृष्टि से उसके उचित प्रबंधन को बढ़ावा** देना है।
    - **पर्यावरणीय सिद्धांतों के अनुरूप न होने वाली आवाजाही को प्रतिबंधित** करते हुए अनुमेय सीमा-पार अपशिष्ट स्थानांतरण के लिए एक विनियामक प्रणाली स्थापित की गई है।
- **रॉटरडैम कन्वेंशन:** इसके माध्यम से **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कुछ खतरनाक रसायनों और कीटनाशकों के लिए पूर्व सूचित सहमति प्रक्रिया** स्थापित की गई।
    - इसे **1998 में रॉटरडैम (नीदरलैंड)** में अपनाया गया था। यह **2004 में लागू** हुआ था।
    - स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए **खतरनाक रसायनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में साझा जिम्मेदारी एवं सहयोग को बढ़ावा** देता है।
- **स्टॉकहोम कन्वेंशन:** यह **दीर्घस्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (POPs)** से संबंधित है।
    - इसे **2001 में स्टॉकहोम (स्वीडन)** में अपनाया गया था। यह **2004 में लागू** हुआ था।
    - यह **मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को POPs से बचाने** के लिए एक वैश्विक संधि है।
    - **कन्वेंशन का उद्देश्य हैं:** खतरनाक POPs (डर्टी डजंस) को खत्म करना; सुरक्षित विकल्पों की ओर बढ़ने का समर्थन करना; कार्रवाई के लिए अतिरिक्त POPs को लक्षित करना आदि।

मॉर्निंगस्टार DBRS ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को स्थिर आउटलुक के साथ 'BBB' में अपग्रेड किया गया

भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'BBB (लो)' **से बढ़ाकर** 'BBB' कर दिया गया है। इसका मुख्य कारण **संरचनात्मक सुधार, अवसंरचना में निवेश और राजकोषीय समेकन** को बताया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:

- **भारत के लिए मजबूत संवृद्धि संभावनाएं:** 'BBB' रेटिंग यह दर्शाती है कि भारत की ऋण चुकाने की क्षमता पर्याप्त है। यह संभावित सुभेद्यताओं के बावजूद वित्तीय दायित्वों को पूरा करने की क्षमता को दर्शाती है।
- **एक प्रमुख शक्ति के रूप में मजबूत समष्टि आर्थिक ढांचा:** भारत की वित्तीय प्रणाली अच्छी तरह विनियमित है, मुद्रास्फीति-लक्ष्यीकरण की प्रणाली व्यवस्थित है, और विनिमय दर लचीली है। इस वजह से अर्थव्यवस्था अधिक लचीली एवं स्थिर बनी हुई है।

सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग क्या है?

- यह **किसी देश की ऋण चुकाने की क्षमता का आकलन** है। यह दर्शाती है कि उस देश को धन उधार देने में कितना जोखिम है। यह रेटिंग सभी सरकारी बॉन्ड्स पर लागू होती है।
- यह **मोटे तौर पर देशों को इनवेस्टमेंट ग्रेड या स्पेकुलेटिव ग्रेड के रूप में रेटिंग** प्रदान करती है। इसमें **स्पेकुलेटिव ग्रेड में आने वाले देशों में उधार पर डिफ़ॉल्ट** की अधिक संभावना होती है।
- **स्टैंडर्ड एंड पूअर्स, मूडीज और फिच रेटिंग्स** ये तीन सबसे प्रभावशाली रेटिंग एजेंसियां हैं।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के साथ समस्याएं

- **गुणात्मक संकेतकों पर अत्यधिक निर्भरता:** इनकी रेटिंग प्रक्रिया अक्सर कुछ विशेषज्ञों की राय पर आधारित होती है, जिससे **व्यक्तिपरक पूर्वाग्रह और "बैंडवैगन प्रभाव"** हो सकता है।
- **पारदर्शिता की कमी:** ये निजी एजेंसियां हैं, जिनकी वित्त-पोषण प्रणाली में पारदर्शिता का अभाव है। **विश्व बैंक के विश्वव्यापी गवर्नेंस संकेतकों (WGIs)** के अनुसार, ये संस्थागत गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं।
- **विकासशील देशों के प्रति पक्षपाती:** आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के अनुसार, अक्सर इन एजेंसियों द्वारा **GDP संवृद्धि दर, मुद्रास्फीति और कुल सरकारी ऋण** जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतकों की अनदेखी की जाती है।

केंद्र सरकार ने चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ को प्रादेशिक सेना (Territorial Army) के जवानों को बुलाने का अधिकार दिया

प्रादेशिक सेना नियम, 1948 का नियम 33 केंद्र सरकार को यह अधिकार देता है कि वह चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ को **प्रादेशिक सेना का सहयोग लेने हेतु अधिकृत** कर सके।

प्रादेशिक सेना के बारे में:

- यह **नियमित सेना (Regular Army) का भाग** है।
  - पूर्णकालिक सैनिकों के विपरीत, **प्रादेशिक सेना के सदस्य आम नागरिक** होते हैं। ये अपनी नियमित नौकरियों से समय निकालकर **प्रशिक्षण लेकर जरूरत के समय देश की सेवा का कार्य** करते हैं।
  - उन्हें अक्सर **"टेरीयर्स (Terriers)"** कहा जाता है।
- यह नियमित सेना के बाद **रक्षा की दूसरी पंक्ति** के रूप में कार्य करती है।
- **मुख्य जिम्मेदारियां:** नियमित सेना को **असैन्य कार्यों से मुक्त करना तथा प्राकृतिक आपदाओं एवं विपदा की स्थितियों में आवश्यक सेवाओं के रख-रखाव में नागरिक प्रशासन** की सहायता करना।
  - आवश्यकता पड़ने पर **नियमित सेना को यूनिट्स भी प्रदान** करती है।
- **पात्रता:** भारतीय नागरिक होना, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना, लाभप्रद रोजगार में होना, आदि।
- **पूर्व युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका:** प्रादेशिक सेना ने **1962, 1965, और 1971** के युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसकी **श्रीलंका में ऑपरेशन पवन तथा पंजाब और जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन रक्षा** जैसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी रही है।

प्रादेशिक सेना का विकास-क्रम:

- 1917 में **इंडियन डिफेंस फोर्स अधिनियम** बनाया गया था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे नेता यूनिवर्सिटी कॉर्प्स से जुड़े थे।
- 1920 में **इंडियन टेरिटोरियल फोर्स विधेयक** पारित हुआ था।
- स्वतंत्रता के बाद **1948 में प्रादेशिक सेना अधिनियम** बनाया गया और **9 अक्टूबर 1949 को सी. राजगोपालाचारी द्वारा प्रादेशिक सेना** का औपचारिक उद्घाटन किया गया।
  - इस उपलक्ष्य में **9 अक्टूबर को "प्रादेशिक सेना दिवस"** के रूप में मनाया जाता है।

तीन जन सुरक्षा (सामाजिक सुरक्षा) योजनाओं के 10 वर्ष पूरे हुए

प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) और अटल पेंशन योजना (APY) नामक इन योजनाओं का उद्देश्य नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना तथा लंबी अवधि की वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। ये योजनाएं **बीमा और पेंशन का विस्तार** करने पर केंद्रित हैं।

विशेषताएं	PMSBY	PMJJBY	APY
उद्देश्य	**दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये तक का बीमा** प्रदान किया जाता है।	**किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा** कवर प्रदान किया जाता है।	**असंगठित क्षेत्र के कामगारों को गारंटीकृत मासिक पेंशन** प्रदान की जाती है।
कवरेज राशि	2 लाख रुपये	2 लाख रुपये	1,000 से 5,000 रुपये प्रतिमाह
आयु पात्रता	18–70 वर्ष	18–50 वर्ष	18–40 वर्ष
प्रीमियम/ अंशदान	20 रुपये प्रति वर्ष	436 रुपये प्रति वर्ष	मासिक/ त्रैमासिक/ अर्धवार्षिक
नामांकन विधि	ऑटो-डेबिट सुविधा वाले बैंक/ डाकघर खातों के माध्यम से	ऑटो-डेबिट सुविधा वाले बैंक/ डाकघर खातों के माध्यम से	बैंक/डाकघर खातों के माध्यम से
लाभ संरचना	**मृत्यु/ पूर्ण दिव्यांगता: 2 लाख रुपये**	**मृत्यु:** 2 लाख रुपये	➤ **60 वर्ष की आयु** के बाद सब्सक्राइबर को पेंशन ➤ उसके बाद **जीवनसाथी** को, और बाद में **नामित व्यक्ति** को ➤ **60 वर्ष से पहले मृत्यु होने पर,** पति/ पत्नी अंशदान जारी रख सकता/ सकती है।
प्रशासनिक संस्था	**विविध एजेंसियां**	**LIC या अन्य अनुमोदित जीवन बीमाकर्ता**	NPS फ्रेमवर्क के तहत पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (PFRDA)

अन्य सुर्खियां

वेम्बनाड झील

हाल ही में, **वेम्बनाड झील कायाकल्प परियोजना** पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट के अनुसार **1917 से 1990 के बीच वेम्बनाड झील का जल-भंडारण क्षेत्र 27% तक सिकुड़** गया है।

वेम्बनाड झील के बारे में:

- यह **भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट केरल** में स्थित है। यह केरल में **सबसे बड़ी खारे पानी (Brackish water) की झील और आर्द्र उष्णकटिबंधीय आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र** है।
- सर्दियों के महीनों में यह झील **भारत में तीसरी सबसे अधिक संख्या में जलपक्षी (waterfowl) समुदाय को आश्रय** प्रदान करती है।
- यह **वेम्बनाड-कोल आर्द्रभूमि प्रणाली** का हिस्सा है, जिसे **रामसर साइट्स की सूची** में शामिल किया गया है। यह **केरल के सतही जल संसाधनों में लगभग 30%** का योगदान करती है।
- **पथिरमनाल द्वीप** इस झील में स्थित एक **प्रकृतिमनोहर द्वीप** है। इस द्वीप को **'मिडनाइट सैंड्स'** के नाम से भी जाना जाता है।

यूनाइटेड नेशंस फोरम ऑन फॉरेस्ट्स (UNFF)

भारत ने **न्यूयॉर्क** में आयोजित **यूनाइटेड नेशंस फोरम ऑन फॉरेस्ट्स (UNFF) के 20वें सत्र** में भाग लिया। इस सत्र में भारत ने **वनों के लिए संयुक्त राष्ट्र की रणनीतिक योजना 2017–2030** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

यूनाइटेड नेशंस फोरम ऑन फॉरेस्ट्स (UNFF) के बारे में:

- **स्थापना:** इसकी स्थापना **संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC)** के **संकल्प 2000/35 के माध्यम से अक्टूबर 2000** में की गई थी।
- **मुख्य उद्देश्य:** सभी प्रकार के वनों के प्रबंधन, संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देना तथा इनके प्रति **दीर्घकालिक राजनीतिक प्रतिबद्धता को मजबूत** करना।
- **सदस्य:** इसमें **संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश और विशेषीकृत एजेंसियां** शामिल हैं।

ग्लोबल मीथेन ट्रैकर 2025

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने 'ग्लोबल मीथेन ट्रैकर 2025' जारी किया।

ग्लोबल मीथेन ट्रैकर के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- मीथेन **ग्रीनहाउस गैस** है। यह गैस औद्योगिक क्रांति के बाद से **वैश्विक तापमान में लगभग 30% वृद्धि के लिए जिम्मेदार** है।
- **मीथेन उत्सर्जन के तीन प्रमुख स्रोत हैं:** कृषि, ऊर्जा और अपशिष्ट क्षेत्रक।
- **ऊर्जा उत्पादन से मीथेन उत्सर्जन:** इसमें **तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और बायोएनर्जी** शामिल हैं। मानवीय गतिविधियों से कुल मीथेन उत्सर्जन में **ऊर्जा क्षेत्रक की 35% हिस्सेदारी** है।
- यदि खनिजों को निकालने में **मीथेन का प्रभावी उपयोग** किया जाए या **गैस फ्लेयरिंग और ऑक्सीकरण** जैसी तकनीकों को अपनाया जाए, तो **मीथेन उत्सर्जन को 50% तक कम** किया जा सकता है।
  - **गैस फ्लेयरिंग** वास्तव में तेल उत्पादन के दौरान उपोत्पाद के रूप में प्राप्त **प्राकृतिक गैस के दहन की प्रक्रिया** है।

एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (EFF)

भारत ने पाकिस्तान को **IMF के एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (EFF)** तथा **रेज़िलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (RSF)** जैसे कार्यक्रमों के तहत ऋण प्रदायगी पर चिंता जताई है।

एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (EFF) के बारे में:

- **उद्देश्य:** उन देशों को सहायता प्रदान करना, जो **संरचनात्मक बाधाओं या गंभीर भुगतान संतुलन घाटे की स्थिति** का सामना कर रहे हैं।
- **पात्रता: IMF के सभी सदस्य देश,** जिन्हें वर्तमान में बाहरी वित्तीय सहायता की आवश्यकता है या भविष्य में आवश्यकता पड़ सकती है।

रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (RSF) के बारे में

- **उद्देश्य:** व्यापक आर्थिक चुनौतियों से निपटना और स्थिरता प्राप्त करना।
- **पात्रता:** निम्न-आय वाले देश और संकट का सामना करने वाले मध्यम-आय वाले देश।

IMF के अन्य प्रमुख ऋण कार्यक्रम:

- एक्सटेंडेड क्रेडिट फैसिलिटी
- रैपिड क्रेडिट फैसिलिटी आदि।

शूमैन घोषणा (Schuman Declaration)

भारत के विदेश मंत्रालय ने **नई दिल्ली में यूरोप दिवस** समारोह में भाग लिया। **"शूमैन घोषणा"** की **75वीं वर्षगांठ** के उपलक्ष्य में यूरोप दिवस मनाया गया।

शूमैन घोषणा के बारे में:

- इसने **यूरोपीय कोयला और इस्पात समुदाय (European Coal and Steel Community-ECSC)** की स्थापना का प्रस्ताव किया था। इसमें सदस्य राष्ट्र अपने **कोयला और इस्पात उत्पादन को एकीकृत** करते हैं।
  - यह प्रस्ताव **1950 में फ्रांस के विदेश मंत्री रॉबर्ट शूमैन** द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
- यह **सुपरनेशनल यूरोपीय संस्थानों** के विकास की दिशा में पहला कदम था। यही आगे चलकर **यूरोपीय संघ (European Union)** में परिवर्तित हुआ था।

बुलबुल v2

स्टार्ट-अप **सर्वम AI** ने **बुलबुल v2 टेक्स्ट-टू-स्पीच मॉडल** लॉन्च किया।

बुलबुल v2 के बारे में

- यह मॉडल **11 भारतीय भाषाओं** को सपोर्ट करता है।
- इस मॉडल से जो आवाज़ें बनाई जाती हैं, वे **प्राकृतिक और असली** जैसी लगती हैं न कि रोबोट जैसी या रटी-रटाई।
- उपयोगकर्ता इस मॉडल में **आवाज़ की पिच, गति और तेज़ी** को अपनी ज़रूरत के अनुसार घटा-बढ़ा सकते हैं।

शिल्का सिस्टम्स

सेना की एयर डिफेंस यूनिट्स ने **पाकिस्तानी ड्रोन हमलों से निपटने** के लिए कई तरह के उन्नत हथियार तैनात किए हैं। इनमें **L-70 एंटी एयरक्राफ्ट गन्स, ZU-23 मिमी सिस्टम्स, शिल्का सिस्टम्स** आदि शामिल हैं।

शिल्का सिस्टम्स के बारे में

- यह एक **स्वचालित और रडार-निर्देशित एंटी-एयरक्राफ्ट हथियार प्रणाली** है। यह **ट्रैक्ड चेसिस** पर लगी होती है।
- यह **रूसी मूल की मोबाइल एयर डिफेंस फायर कंट्रोल सिस्टम** है। इसे भूमि पर तैनात सैनिकों और सशस्त्र वाहनों को **हवाई हमलों से बचाने** के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसमें **तीसरी पीढ़ी की इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल प्रणाली, फेज्ड एरे 3D ट्रैकिंग रडार,** और **सटीक नेविगेशन प्रणाली** है, जो दिन हो या रात हर समय किसी भी हवाई हमले से **360 डिग्री सुरक्षा** प्रदान करती है।
- इसमें **सॉलिड स्टेट व हाइड्रॉलिक कंट्रोल** वाली टर्रेट होती है, जिसमें **एंटी-एयरक्राफ्ट गन और शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस मिसाइलें** लगी होती हैं।

फेसएज

फेसएज एक **डीप लर्निंग एल्गोरिदम** है। यह डॉक्टर्स को इलाज की योजना तय करने में **(विशेष रूप से कैंसर मरीजों के लिए)** सहायता कर सकता है। इसका वर्णन लांसेट डिजिटल हेल्थ में किया गया है।

- **डीप लर्निंग एल्गोरिदम** मशीन लर्निंग का एक आधुनिक रूप है। इसमें **आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क (विशेष रूप से मल्टी-लेयर नेटवर्क)** का उपयोग करके **बड़ी मात्रा में असंरचित डेटा से बिना मानवीय हस्तक्षेप के सीखने** की क्षमता होती है।

फेसएज के बारे में

- **डेटाबेस:** इसे हजारों तस्वीरों के जरिए प्रशिक्षित किया गया है।
- **विधि:** यह **मरीज की सेल्फी** से उसकी जैविक आयु का पता लगाता है।
- इसका उपयोग एक **बायोमार्कर** के रूप में किया जा सकता है। इससे डॉक्टर कैंसर के इलाज के लिए यह समझ सकते हैं कि मरीज की जैविक आयु कितनी है। यह डॉक्टर्स को उपचार के बारे में सही निर्णय लेने में भी मदद करेगा।

सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व

महाराणा प्रताप (1540 -1597)

प्रधान मंत्री ने **महाराणा प्रताप को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।**

महाराणा प्रताप के बारे में

- वे एक प्रसिद्ध **राजपूत योद्धा और राजस्थान के मेवाड़ के शासक** थे।
- उनका जन्म **कुंभलगढ़ किले में जयवंता बाई और उदय सिंह द्वितीय** के घर हुआ था।
- उन्होंने (अकबर के शासनकाल के दौरान) **मुगलों के अधीन होने से इनकार** कर दिया था।
  - इसके परिणामस्वरूप, **हल्दीघाटी का युद्ध (1576)** हुआ। इस युद्ध में मुगल सेना का नेतृत्व **आसफ खान और मान सिंह** कर रहे थे।
- **उत्तराधिकारी:** महाराणा अमर सिंह प्रथम
- **मूल्य:** बहादुरी, करुणा, नेतृत्व, आदि।